<u>अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु</u>

सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025-26

अंक-योजना

हिंदी 'ब' विषय कोड - 085

प्रश्न-पत्र कोड-- 4/4/1, 4/4/2, 4/4/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के उचित आकलन के लिए उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति / दस्तावेज को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र / वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।

3. अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को और उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही (√) और गलत उत्तर पर गलत (×) का निशान लगाएँ। परीक्षक द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. **यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर अंत में दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये के प्रारंभ में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

7. **यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये के प्रारंभ में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।**

8. **यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न / प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें / उन्हीं पर अंक दें।**

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. **प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)**

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में होती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक या कम अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का मुख पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- मुख पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर-पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंक-सूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. परीक्षक यह भी सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, मुख पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांक को अंकों और शब्दों में लिखा जाए।

14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / परीक्षकों / समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाए।

Series: N4KLM **प्रश्न-पत्र कोड 4/4/1, 4/4/2, 4/4/3**

अंक योजना

निर्धारित समय : 3 घंटे **हिंदी 'ब'(085)** **अधिकतम अंक : 80**

प्रश्न सं.	सेट-1	सेट-2	सेट-3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
	4/4/1	**4/4/2**	**4/4/3**	**खंड - क** **(अपठित बोध)**	**(14)**
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर : **बहुविकल्पीय -**	**(7)**
	(i)	(i)	(i)	(B) कथन सही है, किंतु कारण गलत है।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) बढ़ती हुई आबादी के कारण	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) जल स्रोतों का सुनियोजित उपयोग **वस्तुपरक -**	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• जल संसाधनों का अतिदोहन • जल को प्रदूषित करने वाले मानवीय कृत्यों में वृद्धि	2
	(v)	(v)	(v)	• बढ़ती हुई आबादी • भूजल का अतिदोहन • नदियों, झीलों और भूजल में औद्योगिक कचरे, रसायनों एवं प्लास्टिक का बढ़ता स्तर (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
2	**2**	**1**	**2**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर : **बहुविकल्पीय -**	**(7)**
	(i)	(i)	(i)	(B) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) (I) और (III) सही हैं।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) अकर्मण्य और आलसी लोगों की **वस्तुपरक -**	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• अधूरे कार्य • अपूर्ण लक्ष्य • नकारात्मकता (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(v)	(v)	(v)	• सफलता की प्राप्ति के लिए • उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने के लिए	2

				खंड – ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	**(16)**
3	**3**	**3**	**3**	**'पदबंध'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	सर्वनाम पदबंध	1
	(ii)	-	-	हमारी नाभा रियासत का राजा / नाभा रियासत का राजा	1
	(iii)	-	-	क्रियाविशेषण पदबंध	1
	(iv)	-	-	विशेषण पदबंध	1
	(v)	-	-	जुड़े हुए थे। कारण- क्रिया पदों का समूह, शीर्ष पद - क्रिया	½+½
	-	(i)	-	विगत वर्ष असफल रहने वाला वह / असफल रहने वाला वह	1
	-	(ii)	-	क्रियाविशेषण पदबंध	1
	-	(iii)	-	संज्ञा पदबंध	1
	-	(iv)	-	क्रिया पदबंध कारण- क्रिया पदों का समूह, शीर्ष पद – क्रिया	½ +½
	-	(v)	-	विशेषण पदबंध	1
	-	-	(i)	दूसरों की सहायता करने वाले आप / सहायता करने वाले आप	1
	-	-	(ii)	क्रियाविशेषण पदबंध	1
	-	-	(iii)	संज्ञा पदबंध	1
	-	-	(iv)	क्रिया पदबंध कारण- क्रिया पदों का समूह, शीर्ष पद – क्रिया	½ +½
	-	-	(v)	विशेषण पदबंध	1
4	**4**	**4**	**4**	**'रचना के आधार पर वाक्य भेद'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	संयुक्त वाक्य	1
	(ii)	-	-	जब मेरी माँ ने उनको दुखी देखा तो उनकी आँखों में भी आँसू आ गए।	1
	(iii)	-	-	कंपनी के हुक्म के अनुसार वज़ीर अली को गिरफ़्तार किया जाए।	1
	(iv)	-	-	कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे और वहाँ एक सुंदर सा गाँव था।	1
	(v)	-	-	सरल वाक्य	1

	-	(i)	-	चूँकि गिन्नी के सोने में थोड़ा-सा ताँबा मिला हुआ होता है इसलिए वह ज्यादा चमकता है। अथवा जब गिन्नी के सोने में थोड़ा-सा ताँबा मिला हुआ होता है तब वह ज्यादा चमकता है।	1
	-	(ii)	-	इफ़्फ़न चला गया और टोपी अकेला रह गया।	1
	-	(iii)	-	मिश्र वाक्य	1
	-	(iv)	-	सरल वाक्य	1
	-	(v)	-	उसने चाय प्यालों में भरकर हमारे सामने रख दी।	1
	-	-	(i)	मिश्र वाक्य	1
	-	-	(ii)	टोपी एक कोने में बैठा / बैठ गया और रोने लगा।	1
	-	-	(iii)	उसकी यह योजना है कि वह किसी तरह नेपाल पहुँच जाए।	1
	-	-	(iv)	सरल वाक्य	1
	-	-	(v)	इन्हीं जंगलों में उसके होने का मुझे अच्छी तरह पता है।	1
5	**5**	**5**	**5**	**'समास'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	उत्तर पद प्रधान उदाहरण - नीलगगन (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	(ii)	-	-	विनाश की लीलाओं - तत्पुरुष समास	½+½
	(iii)	-	-	अव्ययीभाव समास	1
	(iv)	-	-	चक्रपाणि – बहुव्रीहि	½+½
	(v)	-	-	पूर्व पद संख्यावाची उदाहरण - नवरत्न (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	-	(i)	-	पूर्व पद (पंच) संख्यावाची	1
	-	(ii)	-	गिरि को धारण किया है जिसने अर्थात श्रीकृष्ण / गिरि को धारण करने वाले अर्थात श्रीकृष्ण - बहुव्रीहि समास	½+½
	-	(iii)	-	यथासमय - अव्ययीभाव समास	½+½
	-	(iv)	-	विद्या के लिए आलय – तत्पुरुष समास	½+½
	-	(v)	-	पूर्व तथा उत्तर, दोनों पद प्रधान उदाहरण - माता-पिता (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½

	-	-	(i)	पूर्व तथा उत्तर, दोनों पद प्रधान	1
	-	-	(ii)	पूजा के लिए स्थलों / स्थल - तत्पुरुष समास	½+½
	-	-	(iii)	बहुव्रीहि समास	1
	-	-	(iv)	यथानियम - अव्ययीभाव समास	½+½
	-	-	(v)	महात्मा - महान है जो आत्मा (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
6	**6**	**6**	**6**	**'मुहावरे'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	अर्थ- खुशामद / चापलूसी करना उपयुक्त अर्थपूर्ण वाक्य प्रयोग	½+½
	(ii)	-	-	खून खौलना / दिल दहलना / कलेजा काँप उठना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	(iii)	-	-	उपयुक्त अर्थपूर्ण वाक्य प्रयोग	1
	(iv)	-	-	अंधे के हाथ बटेर लगना / अंधा चोट निशाना लगना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	(v)	-	-	बातें बनाना - बहाने बनाना / समय नष्ट करना बातों में आना - बहकावे में आना / किसी की बातों से प्रभावित होना (अर्थ अथवा वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट करने पर अंक दिए जाएँ)	½+½
	-	(i)	-	मुहावरा - आँखों में धूल झोंकना उपयुक्त अर्थपूर्ण वाक्य प्रयोग	½+½
	-	(ii)	-	फूट-फूटकर रोना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	(iii)	-	सिर फिरना - बुद्धि काम न करना सिर उठाना - विरोध / विद्रोह करना	½+½
	-	(iv)	-	उपयुक्त अर्थपूर्ण वाक्य प्रयोग	1
	-	(v)	-	सूक्ति बाण चलाना / लगती बातें कहना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	-	(i)	अर्थ- अत्यधिक सम्मान देना उपयुक्त अर्थपूर्ण वाक्य प्रयोग	½+½
	-	-	(ii)	धर्म संकट में पड़ना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	-	(iii)	उपयुक्त अर्थपूर्ण वाक्य प्रयोग	1
	-	-	(iv)	अंधा चोट निशाना लगना / अंधे के हाथ बटेर लगना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	-	(v)	चकरा जाना - समझ में न आना / भ्रमित होना चक्कर में पड़ना - झमेले में पड़ना / व्यर्थ के कार्यों में पड़ना	½+½

				खंड – ग **(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक)**	**(28)**
7	7 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	8 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	9 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : (C) प्रकृति के अन्य जीवों और तत्वों से दूरी (D) प्रकृति के कोप को देखकर उन्हें अपना अस्तित्व संकट में लगा । (C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की गलत व्याख्या करता है । (B) विकास-दर में वृद्धि (D) पहले के लोग सह-अस्तित्व का सम्मान करते थे ।	**5 x 1** **= 5**
8	**8**	10	10	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (लगभग 25-30 शब्दों में) –	**(3x2** **= 6)**
	(i)	-	-	• रूढ़ परंपराओं का बंधन • तताँरा द्वारा गाँव की प्रथा का उल्लंघन किए जाने से द्वीपवासी नाराज • अपनी पहचान / अस्तित्व से जुड़े होने के कारण द्वीपवासी प्रथा, परंपरा, संस्कृति के प्रति अत्यंत संवेदनशील (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ii)	-	-	कौन- • व्यवहारवादी लोग क्यों- • अपनी उन्नति की होड़ में प्रत्येक कार्य व्यक्तिगत स्वार्थ एवं लाभ-हानि का हिसाब लगाकर करते हुए समाज के हितों की उपेक्षा	1+1
	(iii)	-	-	• पटकथा, गीत-संगीत, अभिनय, निर्देशन, कलात्मकता आदि दृष्टि से उत्कृष्ट • साहित्यिक कृति के साथ शत-प्रतिशत न्याय करने वाली • मानवीय संवेदनाओं का यथार्थ चित्रण • राष्ट्रपति स्वर्ण पदक जैसे अनेक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iv)	-	-	• संगठन में शक्ति • अंग्रेज सरकार के द्वारा व्यापक पुलिस बंदोबस्त के बावजूद कलकत्ता-वासियों द्वारा संगठित होकर मोनुमेंट के नीचे एकत्र होना • लाठीचार्ज और दमन झेलते हुए भी राष्ट्रीय झंडा फहराना और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ना (पाठ से अन्य उचित उदाहरण भी स्वीकार्य)	2

	-	(i)	-	• द्वीपवासियों में वैचारिक बदलाव • लोक-स्मृतियों में उनके बलिदान को स्थान देना • विवाह संबंधी रुढ़िवादी परंपरा का समाप्त होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(ii)	-	• व्यक्तिगत हित और स्वार्थ से ऊपर उठकर आदर्शवादी बनने की प्रेरणा • जागरूक और सक्रिय नागरिक बनने की प्रेरणा	2
	-	(iii)	-	• 26 जनवरी 1931 के दिन महिलाओं की सशक्त भागीदारी • पुलिस के लाठीचार्ज और नेताजी की गिरफ्तारी के बाद महिलाओं द्वारा जुलूस निकालना, झंडा फहराना और प्रतिज्ञा पढ़ना उनकी निर्णय और नेतृत्व क्षमता का परिचायक	2
	-	(iv)	-	• उपभोक्ता की रुचियों का परिष्कार करना • समाज से जुड़े विविध मुद्दों के प्रति जागरूक बनाना • सस्ती, उथली और पथभ्रष्ट करने वाली सामग्री को प्रस्तुत न करना • त्रासद स्थितियों को ग्लोरिफाई करने के स्थान पर यथार्थ चित्रण करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(i)	• उचित अथवा अनुचित के पक्ष में विद्यार्थियों के तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य	2
	-	-	(ii)	• व्यक्तिगत हित और स्वार्थ से ऊपर उठकर आदर्शवादी बनने की प्रेरणा • स्वयं के साथ समाज का भी उत्थान	2
	-	-	(iii)	• अधिकांश जनता में साहित्यिक कृति की समझ न होना • आम दर्शकों द्वारा कल्पना में ही सुख की अनुभूति - जिसका फ़िल्म में अभाव • लोकप्रिय मनोरंजक तत्वों की कमी • अति यथार्थवादी फ़िल्म (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(iv)	• उत्साह और उमंग की भावना का संचार • घर और बाजार की सजावट से आम जनता के देशप्रेम की अभिव्यक्ति • देशप्रेम और स्वतंत्रता के महत्त्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना	2

				● पुलिस के बंदोबस्त के बावजूद लोगों का एकजुट होकर समारोह में शामिल होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
9	**9** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**7** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	7 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**'पठित पद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : (D) झाँकना (B) झाग भरे झरने की (C) बादल रहित शांत आकाश (A) वे आकाश जैसी ऊँचाई पाने के लिए विचारमग्न हैं। (D) कथन सही है, किंतु कारण गलत है।	**5 x 1 = 5**
10	**10** (i) (ii) (iii) (iv)	**9** (i) (ii) (iii) (iv)	**8** (i) (ii) (iii) (iv)	**'काव्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (लगभग 25-30 शब्दों में) – ● सहानुभूति, दया, परोपकार और उदारता जैसे गुणों का विकास ● भेदभाव से ऊपर उठकर विश्व-बन्धुत्व की भावना बाधा- ● अहंकार, अज्ञानता कारण- ● ईश्वर की तलाश में भटकना ● सांसारिक सुख को ही वास्तविक सुख मानना ● अपने साहस और पुरुषार्थ पर भरोसा करके ● निर्भयतापूर्वक ● ईश्वर पर पूर्णतः विश्वास करके ● दुख-सुख में समान रहकर (कोई दो बिंदु अपेक्षित) ● देशवासियों को राम-लक्ष्मण के रूप में संबोधित ● दुश्मनों से सीता रूपी मातृभूमि की मान-मर्यादा की रक्षा	**(3x2 = 6)** 2 1+1 2 2

11	**11**	**11**	11	पूरक पाठ्य-पुस्तक 'संचयन' पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40 – 50** शब्दों में अपेक्षित -	**(2x3 =6)**
	(i)	(i)	(i)	● संबंधों का आधार अपनत्व और प्रेम-भावना ● अलग-अलग धर्म के होते हुए भी टोपी और इफ़्फ़न की गहरी दोस्ती ● इफ़्फ़न और उसकी दादी से मिलने वाला अपनापन और विशेष लगाव	3
	(ii)	(ii)	(ii)	कारण- ● अभिभावकों का शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझ पाना ● शिक्षा को केवल व्यवसाय का माध्यम समझना - भूल दृष्टिकोण- ● विद्यार्थियों के मुक्त तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य	1+2
	(iii)	(iii)	(iii)	● अपना वर्चस्व स्थापित करने की चाह ● ठाकुरबारी का विस्तार ● धन और सुख-सुविधा में वृद्धि की लालसा ● पुनः/ स्थायी महंत बनने की महत्त्वाकांक्षा (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
				खंड – घ **(रचनात्मक लेखन)**	**(22)**
12	**12**	14	13	किसी **एक** विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन : ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक	**1 x 5 = 5**
13	**13**	**12**	**14**	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में औपचारिक पत्र लेखन: ● आरंभ व अंत की औपचारिकताएँ – 1 अंक ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक	**1 x 5 = 5**
14	**14**	**15**	16	किसी **एक** विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लेखन: ● विषय-वस्तु – 2 अंक ● प्रारूप – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक	**1 x 4 = 4**

15	**15**	**16**	**15**	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन : ● विषय-वस्तु – 1 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक	**1 x 3 = 3**
16	**16**	**13**	**12**	ई-मेल लेखन **अथवा** लघुकथा लेखन : ई-मेल लेखन (लगभग 80 शब्दों में) - ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● प्रारूप – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक **अथवा** लघुकथा लेखन (लगभग 100 शब्दों में) – ● मौलिक विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक ● प्रभाव – 1 अंक	**1 x 5 = 5**